फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 322 प्रभात जयपुर, गुरूवार 25 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Boys Need Their Fathers

Mothers ruin boys. They don't ruin girls. Girls are taught boundaries, manners, caring, responsibility and accountability. But not boys

The King Who United With Traditions

The Revival of Odissi to Classical Recognition

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ पंजाब में किसानों का प्रदर्शन

चंडीगढ़ , 24 जून। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में बुधवार को किसानों का गुस्सा खुलकर सामने आया। किसान संगठनों ने पंजाब के 21 जिलों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन करते हुए केन्द्र सरकार के खिलाफ रोष मार्च निकाले। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने केन्द्र सरकार और अमेरिकी राष्ट्रपति

- किसान संगठनों ने 21 जिलों में रोष मार्च निकाले।

डॉनल्ड ट्रंप के पुतले भी फूंके।

अमृतसर में किसान नेता सरवन सिंह पंधेर की अगुवाई में सैकड़ों किसान भाजपा कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि इस समझौते को जुलाई के अंत तक लागू करने की तैयारी की जा रही है, लेकिन इस संबंध में किसानों, खेत मजदूरों और अन्य संबंधित वर्गों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि यदि यह ट्रेड डील लागू होती है तो पंजाब सहित, पूरे देश के किसानों, खेत मजदूरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उनका कहना है कि विदेशी उत्पादों के लिए बाजार खोलने से स्थानीय कृषि और डेयरी क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा, जिससे किसानों की आय प्रभावित हो सकती है।

राहुल ''छात्रों की गूंज'' को राष्ट्रीय रूप देंगे

गुरुवार को वे पूरे देश में प्रेस कॉन्फ्रेंस की झड़ी लगाकर, पूरा दबाव बनाना चाहते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। राहुल गांधी ने देशभर के छात्रों की आवाज़ को मंच देने और शिक्षा व्यवस्था में निष्पक्षता तथा सुधार की मांग को आगे बढ़ाने के लिए ''छात्रों की गूंज'' नाम से एक राष्ट्रव्यापी छात्र अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस कल देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगी, जिनमें युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

राहुल गांधी ने इस पूरे आंदोलन की शुरुआत तब की थी, जब उन्होंने सीबीएसई, नीट, छात्र आत्महत्याओं, शिक्षा व्यवस्था में अनुचित प्रथाओं और अन्य संबंधित मुद्दों को उठाया था।

उन्होंने कोटा में एक विशाल रैली की थी, जो कोचिंग संस्थानों का प्रमुख केन्द्र माना जाता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कोचिंग सेन्टरों का कारोबार सैकड़ों करोड़ रुपये का है।

प्रधानमंत्री ने इस पूरे मुद्दे पर सहानुभूति का एक शब्द भी नहीं कहा है।

- कोचिंग व्यवस्था की राजधानी कोटा में उन्होंने यह अभियान शुरु किया था और अब, कोचिंग सैन्टर्स की अव्यवस्थाओं के कारण, लगातार जो हादसे हुए हैं, उन्होंने राहुल गांधी के अभियान में अनायास जान डाल दी है।
- और, अभी तक पूरे संकट में व्यवस्था सुधारने की दिशा में कोई ठोस काम नहीं हुआ है तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री भी कोई गलती सुधारने की मुद्रा में नहीं दिख रहे।
- अतः राहुल गांधी इस मुद्दे को छोड़ने की तैयारी में नहीं लगते, जब तक कोई स्थायी बदलाव के संकेत नज़र ना आयें या शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की बात पूरी होती दिखे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को हटाने की लगातार मांगों के बावजूद, वे अपने पद पर बने हुए हैं।

देशभर में होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंसों से राजनीतिक माहौल गरमाने और सरकार पर छात्रों के हित में कदम उठाने तथा उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए दबाव बढ़ने की उम्मीद है।

सूत्रों का कहना है कि राहुल इस मुद्दे को तब तक नहीं छोड़ेंगे, जब तक लंबे समय से लंबित कुछ महत्वपूर्ण बदलाव नहीं किए जाते और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को उनके पद से नहीं हटाया जाता।

नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर, 24 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3, महानगर द्वितीय ने 14 साल की किशोरी को बहला, फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ करीब 55 दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अनिल नायक को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, पीठासीन अधिकारी नीरजा दाधीच ने अभियुक्त पर 53 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललिता संजीव महरवाल ने बताया कि घटना को लेकर

- अभियुक्त 14 साल की पीड़िता को बहला फुसला कर दूसरे शहरों में ले गया व दुष्कर्म किया।

पीड़िता के पिता ने 3 अप्रैल, 2024 को करणी विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि अभियुक्त उसे बहला, फुसला कर अपने साथ दौसा, अजमेर और आखिर में उदयपुर ले गया। जहां वह किशोरी के साथ किराए पर कमरा लेकर पति-पत्नी की तरह रहने लगा। इस दौरान अभियुक्त ने पीड़िता का नाम भी बदला और उसे बालिग बताया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 18 मई को गिरफ्तार कर पीड़िता को बरामद किया।

दुविधा में फंसे हैं मोदी, खामनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के निमंत्रण से

जा कर अमेरिका व इज़रायल को नाराज़ नहीं करना चाहते हैं और ना ही ना जाकर ईरान को

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए भेजे गए निमंत्रण ने भारत को एक कठिन दुविधा में डाल दिया है।

मोदी सरकार न तो इस निमंत्रण की पुष्टि कर रही है और न ही इससे इनकार कर रही है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि मोदी स्वयं तेहरान जाने के इच्छुक नहीं हैं। इसलिए वे इस कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजने का फैसला कर सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, मोदी इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को नाराज़ नहीं करना चाहते, क्योंकि उनका तेहरान जाना न तो तेल अवीव को, और न ही वॉशिंगटन को अच्छा लगेगा।

राजनयिक सूत्रों ने बताया कि पेज़ेश्कियन का निमंत्रण भारत को मिल चुका है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार समारोह 5 से 9 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे।

- अतः बीच का रास्ता सोचा जा रहा है कि अपने प्रतिनिधि के रूप में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेजा जाना चाहिए।
- चीन, रूस, कतर, पाकिस्तान, फ्रांस इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

तीन दशकों तक ईरान का नेतृत्व करने वाले खामेनेई 28 फरवरी को तेहरान पर हुए बड़े अमेरिकी और इज़रायली हवाई हमलों के पहले दिन ही मारे गये थे।

अंतिम संस्कार 5, 6 और 7 जुलाई को तेहरान और क़ोम में आयोजित किया जाएगा। 9 जुलाई को उन्हें मशहद शहर में दफनाया जायेगा।

सूत्रों के अनुसार, औपचारिक निमंत्रण मंगलवार को नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास द्वारा विदेश मंत्रालय (एमईए) को भेजा गया। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास को यह निमंत्रण दो दिन पहले प्राप्त हुआ था।

अंतिम संस्कार समारोह 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होंगे और 9 जुलाई को खामेनेई के पैतृक शहर मशहद में उनके दफ़न के साथ समाप्त होंगे।

86 वर्षीय खामेनेई की मृत्यु 28 फरवरी को उनके परिसर पर हुए अमेरिका-इज़रायल के संयुक्त हवाई हमले में हो गई थी। पहले उन्हें मार्च में दफनाया जाना था, लेकिन युद्ध लंबा खिंचने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

मोदी उन कई विश्व नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति पेज़ेश्कियन की ओर से औपचारिक निमंत्रण मिला है। इनमें चीन, रूस, क़तर, फ्रांस और पाकिस्तान के नेता भी शामिल हैं। शुक्रवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने घोषणा की थी कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेयर के सामने सरकारी कर्मचारी खुले ''मैनहोल'' में गिरा

मेयर ऋतु तावड़े, मुम्बई में विलम्ब से आए मानसून के प्रथम दिन, निरीक्षण के लिए निकली थीं कि उनके सामने ही एक सरकारी कर्मचारी खुले ''मैन होल'' में गिर गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। बुधवार सुबह जब मुंबई की मेयर बारिश के बीच जमीनी हालात का जायजा लेने निकलीं, तो उन्हें यह कतई उम्मीद नहीं थी कि उनकी आंखों के सामने एक व्यक्ति मैनहोल में गिर जाएगा। इसके बाद मेयर का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने संबंधित अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि यदि कोई भी मैनहोल खुला पाया गया, तो उस वॉर्ड के जिम्मेदार अधिकारी को निलंबन का सामना करना पड़ेगा।

दक्षिण-पश्चिम मानसून मंगलवार को मुंबई पहुंचा, जो सामान्य आगमन तिथि से लगभग दो सप्ताह देर से आया है। इसके साथ ही, शहर में व्यापक बारिश हुई। रातभर हुई मूसलाधार

- एरिया इंचार्ज को लताड़ पड़ी और भविष्य में ऐसी दुर्घटना होने पर निलंबन की चेतावनी दी।

बारिश के कारण जलभराव, यातायात बाधित होने और दीवार गिरने जैसी घटनाएं सामने आई हैं।

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े सुबह-सुबह दादर, हिंदमाता और गांधी मार्केट जैसे इलाकों का निरीक्षण कर रही थीं। इसी दौरान एक व्यक्ति खुले नाले में गिर गया। उसकी पहचान बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) से जुड़े एक सफाई कर्मचारी के रूप में हुई है।

घटना के बाद मेयर संबंधित अधिकारियों पर जमकर बरसीं, उन्हें कड़ी चेतावनी दी और कहा कि यदि कहीं भी कोई मैनहोल खुला पाया गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ निलंबन सहित, सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि संबंधित मैनहोल का ढक्कन कचरा निकालने के लिए हटाया गया था।

ऋतु तावड़े ने कहा, ''उस व्यक्ति को भी चेतावनी वाले बोर्ड को पढ़ना चाहिए था और मैनहोल के चारों ओर लगाए गए बैरिकेड्स को देखना चाहिए था। जब स्पष्ट रूप से लिखा है कि सतर्क रहें, तो लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। मैं मुंबई के लोगों से अपील करती हूं कि वे बीएमसी द्वारा लगाए गए नोटिस और पोस्टर जरूर पढ़ें।'' उन्होंने बताया कि सड़कों से अतिरिक्त पानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद का ऑफिस उद्धव ठाकरे की शिवसेना के हाथ से निकलेगा

नई दिल्ली, 24 जून। उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। एक तरफ पहले जहां लोकसभा सांसदों ने शिवसेना (यूबीटी) का दामन छोड़ा और

- उद्धव ठाकरे के पास अब 4 सांसद ही रह जायेंगे, जबकि संसद में उन पार्टियों को ही कार्यालय दिया जाता है जिनके पास कम से कम 5 सांसद हों।

एकनाथ शिंदे गुट में जाकर मिल गए। वहीं अब उद्धव ठाकरे को एक और झटका लगने वाला है।

शिवसेना (यूबीटी) से, उसे संसद परिसर में मिला ऑफिस लिया जा सकता है। इसका मतलब ये होगा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी अपनी बची-खुची पार्टी को समेटने में लगी हैं

इस माहौल में उनकी निकटतस्थ समर्थक महुआ मोइत्रा द्वारा शुभेन्दु अधिकारी की प्रशंसा ने सबको चकित किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। बंगाल में इस समय दल-बदल का दौर चल रहा है। चुनाव हारने के बाद तृणमूल कांग्रेस ताश के पत्तों की तरह बिखरती नजर आ रही है। ऐसे समय में पार्टी की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की अप्रत्याशित प्रशंसा करके राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में, ममता बनर्जी की कट्टर समर्थक मानी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने कहा कि राजनीतिक रास्ते अलग होने के बावजूद, उनका शुभेन्दु अधिकारी के साथ एक ''भावनात्मक जुड़ाव'' है।

तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल में ममता के बचे-खुचे वफादारों में शामिल मोइत्रा की इस टिप्पणी ने बंगाल

- बीबीसी को दिए गए इन्टरव्यु में मोइत्रा ने शुभेन्दु अधिकारी को अपना व्यक्तिगत मित्र बताया और कहा, जब शुभेन्दु अधिकारी व महुआ मोइत्रा दोनों तृणमूल कांग्रेस में थे, कई अवसरों पर शुभेन्दु अधिकारी ने उनसे सहानुभूति रखी और मदद भी की, जब वे नई-नई आई थीं राजनीति में।
- महुआ मोइत्रा को हाल ही में ममता बनर्जी ने नैशनल वर्किंग कमेटी में शामिल भी किया है।
- महुआ मोइत्रा ने अपना यह इन्टरव्यु ''एक्स'' पर दोबारा प्रसारित भी किया है।

के राजनीतिक गलियारों में नई अटकलों को जन्म दे दिया है। ममता बनर्जी पहले से ही ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी विधायकों के गुट से पार्टी पर नियंत्रण के लिए जूझ रही हैं।

संसद में भी तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उसके 20 लोकसभा सांसद सत्तारूढ़ भाजपा का समर्थन करने के लिए नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं।

ऐसे माहौल में शुभेन्दु अधिकारी की प्रशंसा का समय कई सवाल खड़े कर रहा है। उन्होंने अपने इस साक्षात्कार का एक अंश सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा भी किया।

महुआ मोइत्रा ने कहा, ''व्यक्तिगत स्तर पर मेरे शुभेन्दु अधिकारी के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। जब हम दोनों तृणमूल कांग्रेस में थे, तब उन्होंने मेरा बहुत समर्थन किया था।''

उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के एक कठिन दौर को याद करते हुए बताया कि जब उन्हें 2014 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला था, तब शुभेन्दु अधिकारी ने उनका हौसला बढ़ाया था।

कृष्णानगर से सांसद महुआ ने कहा, ''2014 में मुझे लोकसभा का टिकट मिलने वाला था, लेकिन मुझे टिकट नहीं मिला। मैं पूरी रात रोती रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा अध्यक्ष ने 82 देशों के राजनयिकों को आम भेजे

नई दिल्ली, 24 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने यहां तैनात 82 देशों के राजनयिकों को बुधवार को उपहार स्वरूप भारतीय आम भिजवाए।

भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ विजय चौथाईवाले

- नितिन नबीन द्वारा भेजे गये आमों में केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा शामिल हैं।

ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में आम के महत्व पर उनके विचारों से प्रेरित होकर पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली में तैनात 82 देशों के मिशन प्रमुखों को भारतीय आम भिजवाए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय सरकार को अगूँठा दिखाने की बजाय, प.बंगाल की सरकार अब केन्द्रीय सरकार की स्कीमों का पूरा लाभ ले रही है

इस सोच में परिवर्तन के पूरे लक्षण अब साफ नज़र आ रहे हैं, बंगाल सरकार के बजट में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार ने अपना पहला बजट पेश किया है। किसी राज्य के बजट के रूप में यह बजट जरा ज्यादा ध्यान आकर्षित कर रहा है, क्योंकि लंबे अंतराल के बाद आज बंगाल एक नई सुबह की शुरुआत की तरफ देख रहा है। इसलिए इस पहले बजट पर थोड़ा विस्तार से नजर डालना उचित होगा।

किसी भी राज्य के बजट की चर्चा करते समय देश की वर्तमान वित्तीय व्यवस्था को ध्यान में रखना आवश्यक है। जीएसटी व्यवस्था लागू होने और जीएसटी परिषद के गठन के बाद राज्यों ने अपने सबसे बड़े राजस्व स्रोत, बिक्री कर (सेल्स टैक्स) पर टैक्स लगाने का अधिकार छोड़ दिया। इसके अलावा, केन्द्र ने भी अपने बड़े टैक्स स्रोतों में से एक, एक्साइज़ ड्यूटी पर स्वतंत्र रूप से टैक्स लगाने का अधिकार सीमित कर दिया।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह समझना होगा कि राज्य के वित्त मंत्रियों के पास संसाधन जुटाने की कितनी सीमित गुंजाइश बची है। वे मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर रह सकते हैं

- जनता को अधिक से अधिक सब्सिडी देने की होड़ में ममता बनर्जी की सरकार पीछे नहीं रहना चाहती थी, पर, ममता बनर्जी की सरकार की यह भी कोशिश थी कि किसी भी स्कीम पर केन्द्रीय सरकार की छाप नहीं होनी चाहिए। अतः, पैसे उधार लेकर भी ममता बनर्जी सरकार सब्सिडी बढ़ाती गई और यह नौबत आ गई कि जीडीपी का चालीस प्रतिशत हिस्सा ऋण चुकाने में जा रहा था।
- पर, नई भाजपा सरकार, शुभेन्दु सरकार, में ऐसी कोई हठधर्मिता नहीं और वो केन्द्रीय सरकार की हर स्कीम का भरपूर लाभ ले रही है, वित्तीय स्थिति बेहतर हो रही है तथा भविष्य में और बेहतर होने की आशा है। उदाहरण के लिए केन्द्रीय सरकार के, ''एयर कनैक्टिविटी'' बेहतर बनाने के नारे के अंतर्गत चार और नए हवाई अड्डे विकसित हो रहे हैं।

कि राज्य में व्यापार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, जिससे जीएसटी के साझा राजस्व में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ सके।

इसी व्यापक वित्तीय पृष्ठभूमि में पश्चिम बंगाल के नए वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता को वर्ष 2026-27 का बजट तैयार करना पड़ा। नई सरकार को सत्ता में आए बहुत कम समय हुआ था। वास्तव में यह पूर्ण बजट नहीं है, बल्कि जुलाई से अगले वर्ष मार्च तक की अवधि के लिए आय और व्यय का वित्तीय विवरण है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केदारनाथ दर्शनार्थियों की संख्या 13.21 लाख पहुंची

रुद्रप्रयाग, 24 जून। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बुधवार को 8,618 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। इसके साथ ही, इस वर्ष की यात्रा में अब तक दर्शन करने वाले

- 23-24 जून के चौबीस घंटों में 8618 श्रद्धालुओं ने दर्शन किये।

श्रद्धालुओं की कुल संख्या 13.21 लाख से अधिक हो गई है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 23 जून शाम पांच बजे से 24 जून शाम पांच बजे तक 4654 पुरुष, 3909 महिला श्रद्धालु तथा 55 बच्चों ने केदार बाबा के दर्शन किए। इस अवधि में किसी भी विदेशी श्रद्धालु के दर्शन के लिए पहुंचने का रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ। यात्रा प्रशासन के अनुसार, केदारनाथ धाम में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)